This question paper contains 02 Printed pages.]

Roll Number : ……..

Unique Paper Code : 121302409

Title of the Paper : EC SDC- D 401: Descriptive Grammar and Structure of Sanskrit

वर्णनात्मक व्याकरण एवं संस्कृतभाषा की संरचना

Name of the Course : MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2022

Semester : IV

Duration:3 Hours Maximum Marks : 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit or** in **Hindi or** in **English**.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10+10+09+09= 38
Answer any **four** of the following questions.

(i) भारतीय मनीषियों ने भाषाविज्ञान के विकास-क्रम को किन तीन भागों में विभक्त किया है, वर्णन कीजिए।
Describe the three parts in which Indian scholars have divided the evolution of the science of linguistics.

(ii) संस्कृत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में रूपरचना के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।
Explain the importance of Structural Composition in the historical background of Sanskrit.

(iii) संस्कृत की तालव्य ध्वनियों के विकासक्रम का निरूपण कीजिए ।
Describe the evolution of the Palatal sounds of Sanskrit.

(iv) तद्धितप्रत्ययों की संरचना पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the structure of the Secondary Suffixes.

(v) संस्कृत ध्वनियों के ऐतिहासिक विकासक्रम में संस्कृत की व्यञ्जन ध्वनियों के विकास को स्पष्ट कीजिए।
Explain the evolution of Sanskrit consonantal sounds in the historical evolution of Sanskrit sounds.

(vi) संस्कृत धातुओं की परस्मैपद व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।
Explain the *Parsmaipada* system of Sanskrit roots.

2- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 4x6=24

Answer any **four** of the following questions.

(i) मूल भारोपीय भाषा के पुनर्गठन में संस्कृत का महत्त्व वर्णन कीजिए।
Describe the importance of Sanskrit in the reconstruction of the Proto Indo-European language.

(ii) संस्कृत की ओष्ठ्य ध्वनियों का विवेचन कीजिए।
Discuss the *Oshthya* sounds of Sanskrit.

(iii) भारोपीय भाषाओं के तरल स्थानों का वर्णन कीजिए।
Describe the Taral spaces of the Indo-European Languages.

(iv) संस्कृत ध्वनियों की संध्यात्मक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Describe the Morphophonemic modification characteristics of Sanskrit sounds.

(v) संस्कृत ध्वनियों के विकास में स्वराघात के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the importance of syllabification in the development of Sanskrit sounds.

(vi) कृत् प्रत्ययों के पद–संरचनात्मकरूप की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
Describe the characteristics of Morphemic-structural form of primary suffixes.

3. निम्नलिखित में से कसी **एक** पर **संस्कृत** में टिप्पणी कीजिए: 08

Write Note on any **one** of the following in **Sanskrit.**

(i) स्त्री प्रत्ययों का पदसंरचनात्मक रूप ।
The morphemic-structural form of feminine suffixes.

(ii) समस्तपदों का पद संरचनात्मक रूप ।
Morphemic-structural form of the compounded words.